

काशीर

की

भलक

रचयिता

पं० ब्राह्मिकानाथ शर्मा 'कावी'

रामनगर, वाराणसी ।

रंग लाई फिर वही, शमशीर, आलमगीर की ।  
कातिल, आज भी - तस्वीर की ॥

लिमाना, नक्श दिल तहरीर की ।

प्यारे, यह भलक कश्मीर की ॥

८११.८  
द्वारि/का